PUNE RESEARCH SCHOLAR ISSN 2455-314X
AN INTERNATIONAL MULTIDISCIPLINARY JOURNAL VOL 6, ISSUE 3

विदर्भ के सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों और व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की सामाजिक बुद्धिमत्ता का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. प्रमोदकुमार सहदेवराव भालेराव
डिग्री कॉलेज ऑफ़ फिजिकल एज्युकेशन,
अमरावती **महाराष्ट्र भारत**

सारांश :

प्रस्तुत अनुसंधान का मुख्य हेतू विदर्भ के सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों और व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की सामाजिक बुद्धिमत्ता का तुलनात्मक अध्ययन करना यह था । इस मुख्य हेतु का मध्यनजर रखते हुए अनुसंधानकर्ता ने विदर्भ के संत गाडगेबाबा अमरावती विद्यापीठ, अमरावती और राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ, नागपूर के अन्तर्गत चलनेवाली आन्तर महाविद्यालयीन क्रीड़ा स्पर्धाओं में हिस्सा लेनेवाले १०० व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ी और २०० सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ीयों ऐसा कुल ३०० खिलाड़ियों का चयन अनुसंधान के लिये किया गया । स्पर्धा के आयोजन के स्थल पर जाकर स्पर्धा मे सम्मिलित खिलाड़ियों से प्रश्नावली भरवाकर ली गई । अनुसंधानकर्ता ने अपने अनुसंधान के लिए चढ्ढा एन. के. और उषा गणेशन स्नातकोत्तर विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारीत तथा प्रमाणित सामाजिक बुद्धिमत्ता जाँच पटल का उपयोग किया गया । इस अनुसन्धान में प्रतिशत, मध्यमान, मानक विचलन और न ढ्शीं का इस्तेमाल किया गया । इस अनुसन्धान से यह निष्कर्ष निकला है कि सांघीक स्पर्धा पुरुष खिलाड़ियों और व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों के विभिन्न सामाजिक बुध्दिमत्ता के घटको का एकत्रित सांख्यिकीय विश्लेषण से यह बात सामने आई है कि व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ी और सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ी के ६ घटको में सांक असमानता नजर आई तो सहनशक्ति, विश्वास का स्तर इन घटकों में असमानता नजर नही आई ।

प्रस्तावना :

संसार में सभी प्राणी में मनुष्य को श्रेष्ठ कहा गया है । पशुओं की तुलना में मनुष्य को कई ज्ञानात्मक योग्यताओं से संपन्न माना जाता है जो उसे विवेकशील प्राणी बनाता है वह र्क कर सकता है, भेद कर सकता है, समझ सकता है, निश्चित रुप से वह पशुओंसे श्रेष्ठ है, परन्तु सभी मनुष्य एक जैसे नही हो । व्यापक रुप से उनमे व्यक्तिगत विभिन्नता पाई जाती है । व्यक्तियों में परस्पर विभिन्नता के कई कारण हो हैं। उनमें से बुध्दि एक महत्वपूर्ण कारण है । व्यक्ति की मानसिक योग्यता पर उसकी बुद्धि का प्रभाव पडता है । बुध्दि एक सामान्य योग्यता है जिसके द्वारा व्यक्ति विभिन्न परिस्थितियों कि समझता है, अपने व्यवहार का यथोचित परिवर्तन करता है था अपनी समस्या को सुलझा कर जीवन में सफलता प्राप्त करता है ।

बुध्दि कई प्रकार की शक्तियों का समूह है । ई.एल. थॉर्नडाईक ने स्थूल दृष्टि से बुद्धि के निम्नलिखित तीन प्रकार बतलाये हैं ।

१) **सामाजिक बुध्दि** – समझने और व्यक्तियों के साथ व्यवहार करने की योग्यता ।
२) **गामक अथवा यांत्रिक बुध्दि** – यंत्रो एवं मशिनों के सा अनुकुलन की योग्यता ।
३) **अमूर्त बुध्दि** – रुचिपार्जन के प्रतिरूचि, सम्मान, पुस्तकीय ज्ञान, प्राप्त करने में, पढने लिखने में प्रगट करती है ।

पिछले कई वर्षोसे सामाजिक बुध्दि की धारणा के बारे में उत्सुकता बढ़ने लगी है । यह बात भी स्पष्ट है कि आज अलग-अलग क्षेत्रों में वातावरण के साथ व्यक्ति के आदान-प्रदान करने की क्षमता महत्व रखती है । व्यक्ति के आपसी सम्बधों के बारे में बल दिया जाता है । अनेक कार्य क्षेत्रों में परिवेष ही सामाजिक बुध्दि की एक परछाई है।

व्यक्ति का व्यवहार, प्रत्यक्ष ज्ञान, सामाजिक संवेदनशीलता, चरित्र का अभाव, आदि प्रत्यक्ष रुप से समझने की समस्या रहती है । पिछले कई वर्षो में इस विषय पर नाम मात्र ही कार्य हुआ है ।

सामाजिक बुध्दिमत्ता की परिभाषा सन १९२० में ई.एल. थॉर्नडाईक महोदय ने करते हुये कहा कि ''दूसरों को समझ लेने की और उनके व्यवहार पर नियंत्रण करने की योग्यता को अर्थ सामाजिक बुध्दिमत्ता है'' ।

शारीरिक शिक्षा के कार्यक्रमों द्वारा बालकों में शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक विकास होता है । स्वस्थ और बलवान शरीर, वातावर के साथ सहयोग करने की योग्यता तथा अच्छे नागरिक निर्माण करना यह शारीरिक शिक्षा का मुख्य उद्देश है ।

सीखने के बारे में सोचा जाय तो, प्रायः यह देखा जाता है कि कुछ छात्र कोई भी बात बड़ी तिव्रता से ग्रहण कर लेते है, लेकिन कुछ छात्र यही बात बहोत देरी से ग्रहण करते है । व्यक्ती भिन्नता के कारण बुध्दि को एक विशेष स्थान है ।

व्यक्ति की मानसिक योग्यता पर उसकी बुध्दि का प्रभाव होता है इसीलिये शारीरिक शिक्षा में कार्यरत लोगों न इस बात पर सोचना अत्यंत आवश्यकता है ।

समस्या का कथन

अनुसन्धानकर्ता ने ''विदर्भ के सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों और व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की सामाजिक बुद्धिमत्ता का तुलनात्मक अध्ययन'', कर विभिन्नता को ज्ञात करने हेतू अनुसन्धानकर्ता यह विषय अध्ययन हेतू लिया है ।

परिकल्पना

अनुसन्धानकर्ता ने ऐसी परिकल्पना की है कि, सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की सामाजिक बुद्धिमत्ता यह व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की अपेक्षा ज्यादा पायी जाएगी ।

संबंधित साहित्य का समालोचन–

सी. जे. फॉर्नर [१] (१९६०) शारीरिक क्षमता और अभ्यासक्रम में निपुणता तथा बुध्यांक में क्या संबंध है इन पर अपना अनुसंधान कार्य किया । इन्होने सदवी कक्षा के ४५ छात्र पर ॲम्पीयर युथ फिटनेस टेस्ट का प्रयोग किया । बुध्यांक को पता करने के लिये कॅलिफोर्निया प्रश्नावली का प्रयोग किया. इस प्रयोग के अन्त में यह निष्कर्ष निकला कि शारीरिक क्षमता अभ्यासक्रम में निपुणता तथा बुध्यांक में कोई पारस्पारिक संबंध नही ।

आर.एफ. डिस्ने [२] (१९६४) इन्होंने शारीरिक शिक्षा के माध्यमिक स्कूल के बच्चों को मानसीक योग्यता और साधारण बुध्दिमत्ता वाले बच्चों का तुलनात्मक अध्ययन इस विषय पर अनुसंधान

[१] सी.जे. फॉनर्र, ''ए कम्पॅरिजन ऑफ फिजीकल फिटनेस विथ द आऊट ऑफ स्कुल फिजीकल एक्टीव्हीटी एकॅडेमिक अचीवमेंट ऑफ इंटेलीजेंस कोशंट ऑफ दी हायस्कुल स्टुडंट्स'', कंप्लीटेड रिसर्च इन हेल्थ फिजीकल एज्युकेशन ॲण्ड रिक्रिएशन, पृ.क्र. ७०.

[२] आर. एक. डिस्ने (१९६४), ''रिलेशनशीप बीटवीन इंटेलीजंस एण्ड दी इफेक्ट ऑफ मेंटल प्रॅक्टीस ऑफ दी परफॉरमेन्स ऑफ ए मोटर स्कील'', रिसर्च क्वॉटरली, पृ.क्र.११९.

किया । इसलिये शारीरिक क्षमता प्रश्नावली क्रीड़ा क्षमता प्रश्नावली और ॲथलीट संघ का सहभाग ऐसे तीन प्रकारों को समाविष्ठ किया ।

इस के अंतिम नतीजे इतने फलद्रुप नहीं थे । इसमें यह दिखाई दिया कि बौध्दिक क्षमता युक्त छात्र यह साधारण योग्यता वाले छात्रों की शारीरिक गती, चपलता और हात पैरों के ऊेलळपरींळेप मे कम नजर आये ।

एल.डी. केन्टस [३] (१९६४) बौध्दिक क्षमता और शारीरिक योग्यता पर अनुसंधान किया । इसलिये उन्होने कार्न्सबॅड के माध्यमिक हायस्कूल के शिक्षा श्रर्शीशश्र के नौवे श्रेणी के १६४ छात्रों पर यह प्रयोग किया, इसलिये मानसिक परिपक्तता बताने वाली ऊेश्रळषीपळर डहीीं श्री ढशीीं और शारीरिक क्षमता के लिये झीशीळवशपींी इन दो प्रश्नावलियों का प्रयोग किया गया । इस प्रयोग से यह बात पता चली की शारीरिक क्षमता और बुध्यांक इन दोनों के बीच का संबंध यथायोग्य नजर नहीं आया ।

३) अनुसन्धान विधि– इस अनुसन्धान में अनुसंधान कर्ता ने सिम्पल रॅन्डम विधिका प्रयोग किया है तथा सर्वेक्षण और तुलनात्मक विधि का प्रयोग किया है.

अ) आकडों के स्त्रोत –

१) विदर्भ के संत गाडगेबाबा अमरावती विद्यापीठ, अमरावती और राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ, नागपूर इनमें होने वाली आंतर – महाविद्यालयीन स्पर्धाओं के आयोजनों की समयसूची और व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों और सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की सूची और व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों और सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की सूची विद्यापीठ के क्रीडा विभाग से संपर्क प्रस्थापित करके प्राप्त की गई ।

२) स्पर्धा के समय स्पर्धो की जगह प्रत्यक्ष जाकर खिलाड़ियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई ।

न्यादर्श का चुनाव –

अ.क्र.	**खेल का प्रकार**	**खेल का नाम**					**कुल**
१)	व्यक्तिगत खेल	बॅडमिन्टन २०	तैराकी २०	कुश्ती २०	ज्युडो २०	ॲथलेटीक्स २०	१००

[३] एल.डी.केन्टस (१९६७), ''ए स्टडी ऑफ द रिलेशनशीप बिटवीन इंटेलीजंस कोशंट ॲण्ड फिजीकल फिटनेस स्कोअर'', कप्लीटेड रिसर्च इन हेल्थ फिजीकल एज्युकेशन ॲण्ड रिक्रिएशन, पृ.क्र. ७२.

२)	सांघीक खेल	बास्केटबॉल ४०	हॉकी ४०	हॅण्डबॉल ४०	वालीबॉल ४०	वाटरपोलो ४०	२००

क) अनुसन्धान के उपकरण –

अध्ययन के प्रयोग की गई प्रश्नावली हेतु अनुसन्धान कर्ता ने चड्ढा एन.के. व उषा गणेशन स्नातकोत्तर विभाग मनोविज्ञान दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित सामाजिक बुध्दिमत्ता जाँच पटल का उपयोग किया है ।

अध्ययन में आंकडों व तथ्यों के संकलन के लिये मिश्रित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है । प्रतिभागियों की सामाजिक बुध्दिमत्ता की जाँच हेतू प्रश्नावली में सामाजिक बुध्दिमत्ता के आठ घटकों को सम्मिलित किया गया है ।

१) सहनशक्ति २) सहयोग की क्षमता ३) विश्वास का स्तर

४) संवेदनशीलता ५) सामाजिक वातावरण की पहचान ६) व्यवहार कुशलता

७) मनोदशा से आशय ८) स्मृति

अध्ययन की सहनता को ध्यान में रख कर प्रश्नावली में कुल ६६ प्रश्नों का ५ भागो में समावेश किया गया है । प्रथम भाग में कुल ३६ प्रश्नों का समावेश किया गया है, जिसमें सहनशीलता के ८, संवेदशीलता के ९ प्रश्नों को सम्मिलित किया गया है । द्वितीय भाग में सामाजिक वातावरण की पहचान के प्रश्नों की सम्मिलित किया गया है । तृतीय भाग में व्यवहार कुशलता के ७ प्रश्नों को सम्मिलित किया गया है । चतुर्थ भाग में मनोदशा के आशय के ८ प्रश्नों को सम्मिलित किया है. पाँचवे भाग में स्मृति के जाँच हेतु १२ चित्रों को प्रयोग किया गया है ।

सांख्यिकीय विश्लेषण –

निम्नलिखित सारणी क्र. १ व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ि और सांघिक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की सामाजिक बुध्दिमत्ता के आठ घटकों का सांख्यिकिय विश्लेषणों का निष्कर्ष दिया गया।

सारणी क्र. १

विदर्भ के सांघिक स्पर्धा और व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की सामाजिक बुध्दिमत्ता के घटकों को दर्शानेवाली सारणी

अ. क्र.	सामाजिक बुद्धिमत्ता घटक	पुरुष स्पर्धा खिलाड़ी	N	Mean	S.D.	S.E.	C.V.	Z Value	P Value
१	सहनशक्ति	व्यक्तिगत	१००	२०.०४	२.७७	०.२८	१३.८१	०.७४	०.४६
		सांघीक	२००	२०.३२	२.५९	०.२६	१२.७६		
२	सहयोग की भावना	व्यक्तिगत	१००	२६.००	२.८९	०.२९	११.१२	४.९५	0.00**
		सांघीक	२००	३.६७	०.३७	१२.९५			
३	विश्वास का स्तर	व्यक्तिगत	१००	२०.९४	२.५४	०.२५	१२.१२	१.१०	०.२७
		सांघीक	२००	२१.३१	२.१९	०.२२	१०.२६		
४	संवेदनशीलता	व्यक्तिगत	१००	२१.३५	२.७६	०.२८	१२.९५	४.१७	0.00**
		सांघीक	२००	२३.१८	३.४१	०.३४	१४.७१		
५	सामाजिक वातावरण की पहचान	व्यक्तिगत	१००	२.२२	०.७३	०.०७	६०.०६	५.१९	0.00**
		सांघीक	२००	१.८५	०.९७	०.१०	५२.३२		
६	व्यवहार कुशलता	व्यक्तिगत	१००	३.७२	१.६१	०.१६	४३.४१	७.१२	0.00**
		सांघीक	२००	५.३९	१.७०	०.१७	३१.५१		
७	मनोदशा से आशय	व्यक्तिगत	१००	३.३७	१.७८	०.१८	४८.५४	५.६५	0.00**
		सांघीक	२००	५.३०	२.२७	०.२३	४२.७८		
८	स्मृति	व्यक्तिगत	१००	७.८४	२.७८	०.२८	३५.४७	७.५९	0.00**
		सांघीक	२००	१०.३७	१.८४	०.१८	१७.७५		

सांख्यिकीय विश्लेषण की चर्चा –

उपरोक्त सारणी क्र. १ में व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ि और सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की सामाजिक बुध्दिमत्ता के विभिन्न घटकों का एकसाथ सांख्यिकिय विश्लेषणों द्वारा व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों में सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों के ६ घटकों में सार्थक भिन्नता नजर आई, और सहनशक्ति, विश्वास का स्तर इन दो घटको में भिन्नता नही पाई गई ।

Coefficient of Variation से सामाजिक बुध्दिमत्ता के विभिन्न घटकों का तुलनात्मक अध्ययन करने पर व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों में सहयोग की भावना (११.१२), संवेदनशीलता (१२.९५) यह घटक ज्यादा प्रमाण में दिखाई दिये । सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियो में सामाजिक वातावरण की पहचान (५२.३२), व्यवहारकुशलता (३१.५२), मनोदशा से आशय (४२.७८) और स्मृती (३१.५२) यह घटक प्रभावशाली दिखाई दिये ।

व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ि और सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों के सामाजिक बुध्दिमत्ता के तुलनात्मक अध्ययन आलेख क्र. १ में दर्शाया गया ।

आलेख क्र. १

विदर्भ के सांघिक स्पर्धा और व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की सामाजिक बुध्दिमत्ता दर्शानेवाला आलेख

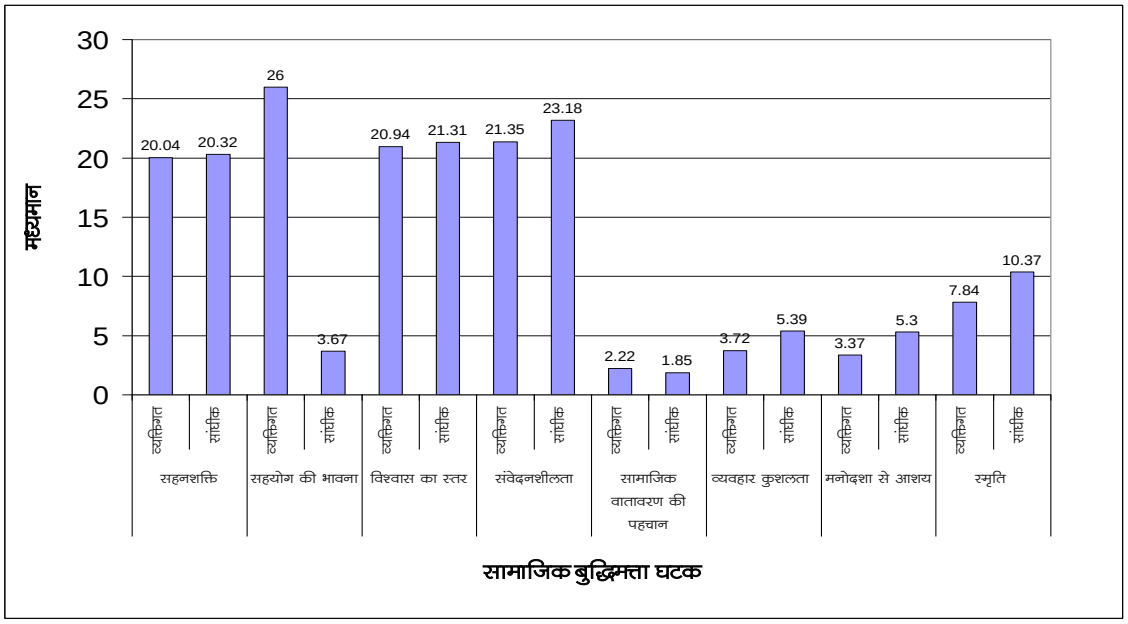

निष्कर्ष और सुझाव

१) व्यक्तिगत स्पधा के पुरुष खिलाड़ि और सांघिक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों में सहनशक्ति इस घटक में कोई भी अंतर नही पाया गया ।

२) व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों से सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की अपेक्षा सहयोग की भावना यह घटक में कमी नजर आई ।

३) व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों और सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों में विश्वास स्तर में कोई अंतर दिखाई नही दिया ।
४) व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों में, सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की अपेक्षा संवेदनशीलता यह ज्यादा दिखाई दी ।
५) व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों में सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ी की अपेक्षा व्यवहार कुशलता यह कम दिखाई दी ।
६) व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों में सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की अपेक्षा मनोदशा का आशय कम नजर आया ।
७) व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों में सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की अपेक्षा सामाजिक वातावरण की पहचान कम दिखाई दि ।
८) व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों में सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की अपेक्षा स्मृती इस घटक में कमी दिखाई दि ।

तात्पर्य :

उपरोक्त विवेचनों से यह तात्पर्य निकलता है कि, सांघीक स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की सामाजिक बुध्दिमत्ता यह व्यक्तिगत स्पर्धा के पुरुष खिलाड़ियों की अपेक्षा सार्थकतापूर्ण रुप से ज्यादा हो सकती है ।

सुझाव :

१) इस प्रकार का परीक्षण राष्ट्रीय स्तर पर लेना चाहिये ।
२) यह परीक्षण विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के मध्य किया जाना चाहिये ।
३) यह परीक्षण छात्रावासीय और गैर छात्रावासीय छात्रों पर किया जा सकता है ।

संदर्भ सूची :

१) **अभ्यंकर बा.ना.** (१९९३) व्यक्ति विकासासाठी विधाव्रत, पुणे विद्यार्थीगृह प्रकाशन
२) **पाठक, पी.डी.** शिक्षा मनोविज्ञान आगरा विनोद पुस्तक मन्दिर, बीसवा संस्करण १९९०
३) **कमलेश एम.एल.,** साई कॉलनी ऑफ फिजीकल एज्युकेशन ॲन्ड स्पोर्टस नई दिल्ली, मॅटोपोलीटन बुक कंपनी प्रा.लि. १९८३.
४) **राय पारसनाथ** अनुसंधान परीचय आगरा लक्ष्मीनारायण अग्रवाल पंचम संस्करण १९८५
५) **मंगल, एस.के., एम.एस. भाटीया,** खेल मनोविज्ञान, लुधीयाना एज्युकेशन पब्लिशर्स, प्रकाश ब्रदर्स प.कं. १९६४.